OTT, CLOUD TV AND FAST CHANNELS – OPPORTUNITIES FOR THE CABLE TV INDUSTRY

The global media and entertainment landscape has undergone a profound transformation over the past decade, driven by advances in broadband connectivity, cloud computing, and digital content delivery platforms.

In India and many other markets, traditional television distribution systems such as cable and satellite are facing increasing competition from internet-based services. Among the most significant developments shaping this shift are Over-The-Top (OTT) platforms, Cloud TV technologies, and Free Ad-Supported Streaming Television (FAST) channels. While these innovations are often seen as disruptive forces, they also present significant opportunities for the cable television industry to evolve and remain relevant in the digital era.

This white paper examines the emerging ecosystem of OTT services, Cloud TV platforms, and FAST channels, and explores how these technologies can complement and reshape the traditional cable TV business model.

THE RISE OF OTT PLATFORMS

OTT services refer to video and media content delivered directly over the internet without the need for traditional broadcast or cable distribution infrastructure. These platforms provide on-demand content accessible through smart TVs, smartphones, tablets, and streaming devices. Globally, OTT platforms such as Netflix, Amazon Prime Video, and Disney+ Hotstar have significantly

ओटीटी, क्लाउड टेलीविजन और एफएएसटी चैनलः केबल टेलीविजन उद्योग के लिए मौका

पिछले 10 सालों में ग्लोबल मीडिया और मनोरंजन के माहौल में बहुत बड़ा बदलाव आया है, जिसकी वजह से ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल कंटेंट डिलीवरी प्लेटफॉर्म में तरक्की हुई है।

भारत और कई दूसरे बाजार में, केबल और सैटेलाइट जैसे पारंपरिक टेलीविजन वितरण सिस्टम को इंटरनेट आधारित सेवाओं से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इस बदलाव को आकार देने वाले सबसे बड़े विकास में ओवर-दॅ-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म, क्लाउड टीवी टेक्नोलॉजी और फ्री-ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टेलीविजन (एफएएसटी) चैनल शामिल है। हालांकि इन इनोवेशन को अक्सर डिसरप्टिव ताकतों के तौर पर देखा जाता है, लेकिन ये केबल टेलीविजन उद्योग के लिए डिजिटल युग में आगे बढ़ने और रेलिवेंट बने रहने के बड़े मौके देता है।

यह श्वेत पत्र ओटीटी सेवाओं, क्लाउड टीवी प्लेटफॉर्म और एफएएसटी चैनलों के उभरते इकोसिस्टम की जांच करता है, और यह पता लगाता है कि ये तकनीकी पारंपरिक केबल टीवी बिजनेस मॉडल को कैसे पूरा कर सकती हैं और उसे नया आकार दे सकती हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म का उदय

ओटीटी सेवा का आमतौर पर मतलब है वीडियो और मीडिया कंटेंट जो बिना किसी पारंपरिक प्रसारण या केबल वितरण संरचना के सीधे इंटरनेट पर डिलीवरी किया जाता है। ये प्लेटफॉर्म स्मार्ट टेलीविजन, स्मार्टफोन, टैबलेट और स्ट्रीमिंग उपकरण के की सहायता से दर्शकों की मांग पर कंटेंट देते हैं। दुनिया भर में, नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो और डिज्नी प्लस हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने दर्शकों के

changed how audiences consume entertainment.

In India, the growth of OTT platforms has been accelerated by increasing broadband penetration, affordable smartphones, and competitive data tariffs. Viewers are increasingly drawn to the flexibility of on-demand viewing, personalized content recommendations, and the availability of diverse regional and international programming.

For the cable TV industry, the rise of OTT services has resulted in shifting consumer expectations. Traditional linear television viewing is gradually being complemented or replaced by on-demand consumption patterns. However, this transformation also opens new opportunities for cable operators to integrate OTT services within their existing platforms, offering hybrid entertainment packages to subscribers.

EMERGENCE OF CLOUD TV PLATFORMS

Cloud TV represents the next stage in television service evolution. Instead of relying entirely on traditional set-top box hardware and local infrastructure, Cloud TV platforms deliver television services through cloud-based processing and storage systems. Content management, streaming, recording, and service personalization are handled in centralized data centers, reducing the complexity and cost of local infrastructure.

Cloud TV enables several advanced capabilities including network-based digital video recording (nDVR), interactive services, personalized advertising, and seamless multi-device viewing. These services can be delivered through smart TVs, mobile applications, or lightweight set-top boxes that rely on cloud processing.

For cable operators, Cloud TV provides a pathway to modernize legacy networks and reduce operational costs. By shifting much of the service infrastructure to cloud environments, cable companies can scale services more efficiently and introduce new features without extensive hardware upgrades. Cloud-based platforms also make it easier to integrate OTT applications and create unified user interfaces that combine live television and on-demand content.

मनोरंजन देखने के तरीके को काफी बदल दिया है।

भारत में ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने, सस्ते स्मर्टफोन और प्रतिस्पर्धी डेटा टैरिफ की वजह से ओटीटी प्लेटफॉर्म का विकास तेजी से हुआ है। दर्शक मांग के आधार पर देखने की लोचशिलता, व्यक्तिगत कंटेंट अनुसंशा और अलग-अलग क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की उपलब्धता की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

केवल टीवी उद्योग के लिए ओटीटी सेवा के बढ़ने से उपभोक्ता की उम्मीदें बदल गयी हैं। पारंपरिक लीनियर टेलीविजन देखने की जगह धीरे-धीरे ऑन डिमांड इस्तेमाल का तरीका ले रहा है। हालांकि इस बदलाव से केवल ऑपरेटरों के लिए अपना मौजूदा प्लेटफॉर्म में ओटीटी सेवाओं को जोड़ने और सब्सक्राइबर को हाइब्रिड इंटरटेनमेंट पैकेज देने के लिए नये मौके खुल रहे हैं।

एफएएसटी चैनलों का विकास

फ्री ऐड-सर्पोटेड टेलीविजन (एफएएसटी) चैनल्स डिजिटल वीडियो इकोसिस्टम का एक और उभरता हुआ खंड है। एफएएसटी चैनल्स लीनियर स्ट्रीमिंग चैनल्स देते हैं, जो देखने वालों के लिए फ्री में उपलब्ध है और पूरी तरह से विज्ञापन राजस्व से समर्थित हैं। ये चैनल पारंपरिक टेलीविजन चैनल देखने के अनुभव की नकल करते हैं लेकिन इंटरनेट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की सहायता से डिलीवरी किये जाते हैं।

क्लाउड टीवी कई आधुनिक क्षमता देता है जिसमें नेटवर्क आधारित डिजिटल वीडियो रिकॉर्डिंग (एनडीवीआर), इंटरैक्टिव सेवा, व्यक्तिगत विज्ञापन और बिना रूकावट मल्टी उपकरण व्यूइंग शामिल है। ये सेवा स्मार्ट टीवी, मोबाइल आवेदन या हल्के सेट-टॉप बॉक्स के जरिए दी जा सकती है जो क्लाउड प्रोसेसिंग पर निर्भर करता है।

केवल ऑपरेटरों के लिए क्लाउड टीवी पुराने नेटवर्क को आधुनिक बनाने और संचालन लागत को कम करने का एक रास्ता देता है। अधिकतर सेवा इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लाउड वातावरण में शिफ्ट करके, केवल कंपनियां ज्यादा अच्छे से सेवा बढ़ा सकती हैं और बिना ज्यादा हार्डवेयर अपग्रेड के नये फीचर्स ला सकती है। क्लाउड आधारित प्लेटफॉर्म ओटीटी आवेदन को एकीकृत करना और लाइव टेलीविजन और ऑन डिमांड कंटेंट को मिलाने वाले यूनिफाइड यूजर इंटरफेस बनाना भी आसान बनाते हैं।

GROWTH OF FAST CHANNELS

Free Ad-Supported Streaming Television (FAST) channels represent another emerging segment of the digital video ecosystem. FAST channels provide linear streaming channels that are available free to viewers and supported entirely through advertising revenue. These channels mimic the traditional television viewing experience but are delivered through internet streaming platforms.

FAST services have gained significant popularity globally through platforms such as Pluto TV, Samsung TV Plus, and Roku Channel. They offer curated thematic channels featuring movies, news, sports highlights, documentaries, and niche programming.

FAST channels are particularly attractive for content owners because they allow monetization of existing content libraries through advertising-supported streaming. For viewers, they provide free access to curated programming without subscription fees.

In emerging markets such as India, FAST channels could become an important part of the digital television ecosystem. They may offer regional content, archival programming, and specialized channels targeted at specific audience segments.

RELEVANCE FOR THE CABLE TV INDUSTRY

The convergence of OTT, Cloud TV, and FAST channels is reshaping the traditional television distribution ecosystem. While these innovations introduce new competition, they also create opportunities for the cable TV industry to reinvent itself.

One of the most significant opportunities lies in platform integration. Cable operators can aggregate OTT services, FAST channels, and traditional broadcast channels into a single user interface delivered through advanced set-top boxes or smart TV applications. This aggregation model allows cable companies to remain central to the consumer's entertainment experience.

Cable operators also possess strong advantages in local infrastructure, customer relationships, and service distribution. By leveraging hybrid fiber-coaxial (HFC) networks and expanding broadband offerings, cable

एफएएसटी चैनलों का विकास

फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टेलीविजन (एफएएसटी) चैनल्स डिजिटल वीडियो इकोसिस्टम का एक और उभरता सेगमेंट है। एफएएसटी चैनल्स लीनियर स्ट्रीमिंग चैनल्स देते हैं जो देखने वालों के लिए मुफ्त उपलब्ध हैं, और पूरी तरह से विज्ञापन राजस्व से समर्थित है। ये चैनल्स पारंपरिक टेलीविजन चैनल देखने के अनुभव की नकल करते हैं लेकिन इंटरनेट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए डिलीवर किये जाते हैं।

एफएएसटी सेवाओं ने प्लूटो टीवी, सैमसंग टीवी प्लस और रोकू चैनल जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए दुनियाभर में काफी लोकप्रियता हासिल की है। ये मूवीज़, समाचार, स्पोर्ट्स हाईलाइट्स, डोक्यूमेंट्रीज और खास प्रोग्रामिंग वाले क्यूरेटेड थीमैटिक चैनल ऑफर करते हैं।

एफएएसटी चैनल विशेष रूप से कंटेंट मालिकों के लिए खासतौर पर आकर्षक हैं, क्योंकि वे विज्ञापन समर्थित स्ट्रीमिंग की सहायता से मौजूदा कंटेंट लाइब्रेरी से पैसा कमाने की सुविधा देते हैं। दर्शकों के लिए, वे बिना सब्सक्रिप्शन शुल्क के क्यूरेटेड कार्यक्रम तक मुफ्त एक्सेस देते हैं।

भारत जैसे उभरते बाजार में एफएएसटी चैनल डिजिटल टेलीविजन इकोसिस्टम का एक जरूरी हिस्सा बन सकते हैं। वे क्षेत्रीय कंटेंट, आर्काइवल कंटेंट और खास ऑडियंस खंड करके खास चैनल दे सकते हैं।

केबल टीवी उद्योग के लिए जरूरी होना

ओटीटी, क्लाउड टीवी और एफएएसटी चैनलों का मिलना पारंपरिक टेलीविजन वितरण इकोसिस्टम को नया आकार दे रहे हैं। जहां ये इनोवेशन नयी प्रतिस्पर्धा लाते हैं, वहीं ये केबल टीवी उद्योग के लिए खुद को फिर से बनाने का मौके भी बनाते हैं।

सबसे बड़े मौकों में से एक प्लेटफॉर्म एकीकरण है। केबल ऑपरेटर ओटीटी सेवा, एफएएसटी चैनल और पारंपरिक ब्रॉडकास्ट चैनल को एक ही यूजर इंटरफेस में जोड़ सकते हैं, जिसे आधुनिक सेट टॉप बॉक्स या स्मार्ट टीवी आवेदनों के जरिए डिलीवर किया जाता है। यह एकीकरण मॉडल केबल कंपनियों को उपभोक्ता के मनोरंजन अनुभव का केंद्र बने रहने देता है।

केबल ऑपरेटरों को स्थानीय संरचना, ग्राहक संबंध और सेवा वितरण में भी फायदे होते हैं। हाइब्रिड फाइबर को-एक्सियल (एचएफसी) नेटवर्क का इस्तेमाल करके और ब्रॉडबैंड ऑफरिंग को बढ़ाकर, केबल

providers can position themselves as integrated connectivity and entertainment providers rather than simply television distributors.

Additionally, Cloud TV technologies allow cable operators to introduce advanced services such as catch-up TV, cloud DVR, targeted advertising, and personalized content recommendations. These features enhance user experience and help cable platforms compete more effectively with pure OTT services.

FAST channels can also complement traditional cable programming by expanding content offerings without significantly increasing subscription costs. Cable operators could potentially incorporate FAST-style channels into their digital platforms, offering advertising-supported content alongside subscription channels.

REGULATORY AND MARKET CONSIDERATIONS

As the digital media ecosystem evolves, regulatory frameworks will also play a crucial role in shaping the relationship between OTT platforms and traditional broadcasting distribution networks. In India, the Telecom Regulatory Authority of India continues to monitor developments in the broadcasting and digital media sectors to ensure fair competition, consumer protection, and balanced industry growth.

Issues such as content regulation, advertising standards, revenue sharing, and interoperability between platforms may require updated regulatory approaches as hybrid television ecosystems become more common.

CONCLUSION

OTT platforms, Cloud TV technologies, and FAST channels are transforming the global television and media industry. While these innovations challenge traditional cable television models, they also present significant opportunities for modernization and growth.

By embracing hybrid service models, integrating streaming platforms, and leveraging cloud-based technologies, cable operators can evolve into comprehensive digital entertainment providers. The future of the cable industry will likely depend on its ability to adapt to changing consumer preferences while harnessing new technologies to deliver flexible, personalized, and multi-platform viewing experiences.■

प्रदायक खुद को सिर्फ टेलीविजन वितरक के बजाय एकीकृत कनेक्टिविटी और मनोरंजन प्रदायक के तौर पर बना सकते हैं।

इसके अलावा क्लाउड टीवी तकनीकी केबल ऑपरेटरों को कैच-अप टीवी, क्लाउड डीवीआर, लक्षित विज्ञापन और पर्सनलाइज्ड कंटेंट अनुसंश जैसी आधुनिक सेवा शुरू करने की सुविधा देती हैं। ये विशेषता उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाते हैं और केबल प्लेटफॉर्म को प्योर ओटीटी सेवा के साथ ज्यादा अच्छे से मुकाबला करने में मदद करते हैं।

एफएएसटी चैनल, सब्सक्रिप्शन की लागत में ज्यादा बढ़ोतरी किये बिना, कंटेंट अफरिंग को बढ़ाकर पारंपरिक केबल कार्यक्रम को भी पूरा कर सकते हैं। केबल ऑपरेटर शायद अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म में एफएएसटी स्टाइल चैनल शामिल कर सकते हैं और सब्सक्रिप्शन चैनलों के साथ-साथ विज्ञापन समर्थित कंटेंट भी दे सकते हैं।

नियामक और बाजार की सोच

जैसे-जैसे डिजिटल मीडिया इकोसिस्टम बदल रहा है, नियामक फ्रेमवर्क भी ओटीटी प्लेटफॉर्म और पारंपरिक प्रसारण वितरण नेटवर्क के बीच रिश्ते को बनाने में अहम भूमिका निभायेंगे। भारत में, टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया प्रसारण और डिजिटल मीडिया क्षेत्र में हो रहे विकास पर नजर रखती है, ताकि सही स्पर्धा, उपभोक्ता संरक्षण और उद्योग की संतुलित विकास पक्की हो सके।

कंटेंट रेगुलेशन, विज्ञापन मानक, राजस्व हिस्सेदारी और प्लेटफॉर्म के बीच इंटरऑपरेबिलिटी जैसे मुद्दों के लिए अपडेटेड नियामक तरीकों की जरूरत हो सकती है, क्योंकि हाइब्रिड टेलीविजन इकोसिस्टम ज्यादा आम हो रहे हैं।

निष्कर्ष

ओटीटी प्लेटफॉर्म, क्लाउड टीवी तकनीकी और एफएएसटी चैनल ग्लोबल टेलीविजन और मीडिया उद्योग को बदल रहे हैं। ये इनोवेशन पारंपरिक केबल टेलीविजन मॉडल को चुनौती देते हैं, लेकिन ये आधुनिकीकरण और विकास के लिए बड़े मौके भी देते हैं।

हाईब्रिड सेवा मॉडल को अपनाकर, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को जोड़कर और क्लाउड आधारित तकनीकी का इस्तेमाल करके, केबल ऑपरेटर बड़े डिजिटल एंटरटेनमेंट प्रदायक बन सकते हैं। केबल उद्योग का भविष्य शायद इस बात पर निर्भर करेगा कि वह बदलती उपभोक्ता पसंद के हिसाब से खुद को ढाल पाती है या नहीं, साथ ही लोचशिल, व्यक्तिगत और मल्टी प्लेटफॉर्म व्यूईंग अनुभव देने के लिए नयी तकनीकी का इस्तेमाल करती है।■